Popular Front of India

+91 11 2 9949902
popularfrontmail@gmail.com
www.popularfrontindia.org
/PopularFrontofIndiaOfficial
@PFIOfficial
/Pfiofficial

प्रेस रिलीज़

नई दिल्ली
26 फरवरी 2020

दिल्ली दंगे;

संघ परिवार ने सुनियोजित तरीके से दिया अंजाम, पुलिस का रहा साथः पॉपुलर फ्रंट

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के महासचिव अनीस अहमद ने कहा कि राजधानी दिल्ली में हुई हिंसा अचानक नहीं भड़की, बल्कि इसे संघ परिवार ने सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया है, जिसमें पुलिस का साथ भी रहा। पॉपुलर फ्रंट के महासचिव ने कई जानों और संपत्तियों के भारी नुकसान पर गहरी नाराज़गी जताई।

यह बड़ी दुखद बात है कि उत्तर–पूर्वी दिल्ली में भड़की हिंसा में अब तक लगभग 20 लोगों की जान जा चुकी है, 150 लोग घायल हुए हैं और करोड़ों की संपत्ति तबाहो बर्बाद हो चुकी है। यह हिंसा किसी अचानक घटी वारदात के कारण नहीं भड़की, बल्कि इसे संघ परिवार के गुंडों ने मंसूबाबंद तरीके से अंजाम दिया है। सीएए और एनआरसी के खिलाफ राजधानी दिल्ली में पिछले तीन महीनों से शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीकों से प्रदर्शन चल रहे हैं। लेकिन कहीं भी किसी के ऊपर एक पत्थर भी नहीं फेंका गया, किसी के खिलाफ नफरत या हिंसा का एक शब्द भी नहीं सुना गया। वहीं शुरू से ही, संघ परिवार के नेता और समूह शाहीन बाग और शहर के दूसरे इलाकों में हो रहे प्रदर्शनों में हिस्सा लेने वाली महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा के लिए खुले आम लोगों को भड़काते रहे हैं। कई बार उन पर हमले की कोशिशें भी की गईं, जबकि पुलिस वहां खड़ी मूकदर्शक बनी रही। यहां भी बीजेपी नेता कपिल मिश्रा ने जाफराबाद में हो रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शन के खिलाफ भड़काऊ बयान दिया, जिसके कारण सुनियोजित हिंसा का खेल खेला गया। ऐसे सुबूत और वीडियो आ रहे हैं कि कई लोग बंदूकों, तलवारों और लोहे के सरियों से लैस होकर लाचार और निहत्थे लोगों को बेदर्दी से पीट रहे हैं, उनकी हत्या कर रहे हैं और लूटमार कर रहे हैं, जबकि लोगों को सुरक्षा देने की ज़िम्मेदार पुलिस न केवल हमलावरों की मदद कर रही है बल्कि उनके साथ वह भी शामिल हो गई है। वहीं राजधानी दिल्ली में मुसलमानों के खिलाफ चल रहे नरसंहार पर सेक्युलर पार्टियों की खामोशी बड़ी निराशाजनक है।

पॉपुलर फ्रंट लोगों और वॉलंटियर ग्रुप्स से अपील करता है कि वे प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव के लिए ज़्यादा से ज़्यादा काम करें। साथ ही पॉपुलर फ्रंट सभी राजनीतिक और सामुदायिक नेताओं से भी अपील करता है कि वे हालात को सामान्य बनाने और हिंसा को और ज़्यादा फैलने से रोकने के लिए ज़रूरी कदम उठाएं। हम बीजेपी नेता कपिल मिश्रा को तत्काल रुप से गिरफ्तार करने और सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जज की अगुवाई में एक टीम के द्वारा हिंसा की न्यायिक जांच की मांग करते हैं।

डॉक्टर मोहम्मद शमून
डायरेक्टर, मीडिया एवं जनसंपर्क
मुख्यालय, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया
नई दिल्ली